लापरवाही ▸ 22 लाख का काम पूरा, पर भुगतान हुआ मात्र 9 लाख , आरईएस विभाग की लापरवाही, मजदूर और ठेकेदार परेशान

भुगतान नहीं होने से जनमन भवन का निर्माण अटका

बबलिया, नवभारत। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जनमन बैगा बहुउद्देशीय योजना जिले में विभागीय लेत-लतीफी की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्राम पंचायत चकदेही में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन का कार्य भुगतान नहीं होने के कारण पूरी तरह ठप पड़ गया है। आलम यह है कि ठेकेदार सहित निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले सप्लायर और मजदूर पिछले कई महीनों से अपने पैसे के लिए भटक रहे हैं।

जानकारी अनुसार चकदेही में इस भवन के लिए कुल 45 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ठेकेदार द्वारा अब तक लगभग 22 लाख रुपये की लागत से भवन का प्लास्टर और लेंटर लेवल तक का काम पूरा कर लिया गया है। लेकिन आरईएस विभाग के अधिकारियों की कथित लापरवाही के चलते अब तक केवल 9 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया है। शेष राशि का बिल न बनने के कारण ठेकेदार

ने काम बंद कर दिया है।

सप्लायरों और मजदूरों का बढ़ता दबाव

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मटेरियल सप्लायर गौतम यादव ने बताया कि उन्होंने रेत, गिट्टी के साथ सीमेंट की सप्लाई की है, जिसका बड़ा भुगतान अभी तक बकाया है। ठेकेदार का कहना है कि जब तक विभाग बिल पास नहीं करता, तब तक वे सप्लायरों और सेंटिंग वालों का पैसा देने में असमर्थ हैं। इस स्थिति का सबसे बुरा असर उन मजदूरों पर पड़ रहा है जिनकी रोजी-रोटी इसी निर्माण कार्य पर टिकी थी।

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन से की मांग

ग्रामीणों ने आरईएस विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड में योजनाओं को समय पर पूरा करने का दावा किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत में अधिकारियों की लापरवाही से काम अधूरे पड़े हैं। जिसके कारण ग्रामीणों में आक्रोश है, उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि आरईएस विभाग तत्काल लंबित देयकों का सत्यापन कर बिल जारी करे। मजदूरों और सामग्री सप्लायरों का भुगतान प्राथमिकता से किया जाए। जिला प्रशासन इस मामले में हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य को पुन: शुरू कराए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस मामले में जल्द संज्ञान लिया जाए, जिससे क्षेत्र के बैगा आदिवासियों के हित में बन रहा यह भवन समय सीमा में पूर्ण हो सके।

पुलिया निर्माण की स्वीकृति से ग्रामीणों में खुशी

▸ **सांसद फग्गन सिंह के प्रयासों को मिली सफलता, अब सुगम होगा नर्मदा तट का मार्ग**

बबलिया। विकासखंड मोहगांव के ग्राम पंचायत धनगांव के ग्रामीणों में उत्साह है। बताया गया कि नर्मदा तट स्थित प्रसिद्ध दुर्वासा आश्रम के पास पुलिया निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग को शासन द्वारा स्वीकृति मिल गई है। इस स्वीकृति के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में हर्ष का माहौल है। सरपंच फूलचंद पट्टा और उपसरपंच मोतीलाल विश्वकर्मा ने बताया कि नर्मदा तट तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लंबे समय से एक पक्की पुलिया की आवश्यकता थी। पुलिया न होने से विशेषकर बारिश के दिनों में और धार्मिक आयोजनों के समय आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पुलिया निर्माण के बाद क्षेत्रवासियों को सुगम रास्ता मिल सकेगा।

सांसद के प्रयासों की सराहना-पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि इस पुलिया की स्वीकृति मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के विशेष प्रयासों से संभव हुई है। ग्रामीणों ने इस सौगात के लिए सांसद का आभार व्यक्त किया है। योजना के अनुसार, जल्द ही इस पुलिया का विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी गति-नर्मदा तट और दुर्वासा आश्रम के मार्ग पर बनने वाली यह पुलिया न केवल धनगांव बल्कि आसपास के कई गांवों के लिए जीवनरेखा साबित होगी। इससे पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वीकृति की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने एक-दूसरे को बधाई दी और प्रसन्नता व्यक्त की।

ग्राम स्तर पर जल संरक्षण की बनी रणनीति

सिंघानपुरी में ग्रामीणों को किया जागरूक

प्रगति जनकल्याण समिति व जन अभियान परिषद की पहल

नारायणगंज। मप्र जन अभियान परिषद के दिशा-निर्देशन में विकासखंड नारायणगंज के ग्राम सिंघानपुरी में प्रगति जनकल्याण समिति मंडला द्वारा जल संचय अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बढ़ते जल संकट को देखते हुए जल संरक्षण के पारंपरिक और आधुनिक तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों और विशेषज्ञों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर इस बात पर मंथन किया कि किस प्रकार ग्राम स्तर पर वर्षा जल को सहेज कर भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सकता है। चर्चा के दौरान गांव में उपलब्ध जल स्रोतों के पुनरुद्धार और जल संरक्षण की गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन (साइट सिलेक्शन) भी किया गया।

जन-भागीदारी से होगा बदलाव

प्रगति जनकल्याण समिति अध्यक्ष कमलेश पावले ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि हम आज जल नहीं बचाएंगे, तो भविष्य में खेती और पेयजल की बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। बैठक में परामर्शदाता इन्द्रा उइके ने भी अपने विचार साझा किए और सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

ये रहे उपस्थित

आयोजित बैठक में परामर्शदाता इंद्रा उइके, प्रगति जनकल्याण समिति मंडला अध्यक्ष कमलेश पावले, सचिव पुष्पा उइके, एमएसडब्ल्यू छात्र मिथलेश कुशराम, प्रशांत उइके, बीएसडब्ल्यू सुशीला, सदस्य वेदव्यास पंद्राम समेत ग्रामवासी मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे अपने घरों और खेतों के आसपास जल संचय के लिए सक्रिय कदम उठाएंगे।

गणेश पुराण में गूंजी गणेश विवाह के साथ शौर्य गाथा

▸ **सिद्धेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, भंडारे के साथ हुआ समापन**

सुरंगदेवरी। सुरंगदेवरी स्थित सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र श्री सिद्धेश्वर धाम में इन दिनों भक्ति की अविरल धारा बह रही है। नौ दिवसीय श्री गणेश पुराण कथा के छठवें दिन भगवान श्री गणेश के दिव्य चरित्र का वर्णन सुनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कथा वाचक पंडित ललित नारायण मिश्रा ने अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान गणेश के विवाह और वीरता के प्रसंगों को जीवंत कर दिया।

कथा के दौरान पंडित ललित नारायण मिश्रा ने बताया कि किस प्रकार भगवान गणेश का विवाह प्रजापति विश्वरूप की पुत्रियों ऋद्धि और सिद्धि के साथ संपन्न हुआ। श्री गणेश जी ने अपनी बुद्धिमत्ता से माता-पिता की परिक्रमा कर ब्रह्मांड विजय प्राप्त की थी, जिससे प्रसन्न होकर उनका विवाह हुआ। उनके दो पुत्र शुभ और लाभ हुए। इस प्रसंग के दौरान कथा का पंडाल गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कथा के दौरान भगवान श्री गणेश की बारात बैंड बाजे के साथ निकाली गई। नाचते, गाते भक्तों ने बारात में शामिल होकर भगवान श्री गणेश की बारात कथा पंडाल पहुंची। जहां उपस्थित भक्तों ने बारात की आगवानी की और फूलों की वर्षा कर भगवान गणेश की शादी का जश्न मनाया गया।

क्यों वर्जित है चौथ का चांद देखना

छठवें दिन की कथा में पंडित ललित नारायण मिश्रा ने मुख्य केंद्र कलंक चतुर्थी का प्रसंग रहा। उन्होंने कहा कि पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान गणेश को गजानन रूप प्राप्त हुआ, तो अपने सुंदर रूप पर गर्व करने वाले चंद्रमा ने गणेश जी के स्वरूप को देखकर उपहास किया। चंद्रमा के इस अहंकार और अपमान को देखकर गणेश जी ने उन्हें श्राप दिया कि जो भी व्यक्ति चतुर्थी के दिन चंद्रमा को देखेगा, उस पर समाज में झूठा कलंक लगेगा। यही कारण है कि आज भी गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा के दर्शन वर्जित माने जाते हैं।

चार साहिबजादों को किया नमन

धार्मिक प्रसंगों के साथ-साथ पंडित ललित नारायण मिश्रा ने राष्ट्र भक्ति का अलख जगाते हुए सिख गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों की शौर्य गाथा भी सुनाई। उनकी शहादत और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को सुनकर उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।

भंडारे के साथ हुआ समापन

कथा के समापन पर महाआरती की गई, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। हजारों भक्तों ने कतारबद्ध होकर प्रसादी ग्रहण की। सिद्धेश्वर धाम समिति ने बताया कि आगामी तीन दिनों में कथा के और भी अलौकिक प्रसंग सुनाए जाएंगे।

अनमोल एप पर मातृ, शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण का शत-प्रतिशत कराएं पंजीयन

▸ **स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक आयोजित, टीबी मुक्त अभियान में तेजी लाने पर जोर**

नारायणगंज 3 जनवरी नभाप्र. नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतर्गत नारायणगंज सेक्टर के पडरिया, खैरी, कुड़ामैली, टिकरिया, चौकी और सलैया स्वास्थ्य केन्द्र की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम समेत अन्य संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में नारायणगंज सीएचसी से बीसीएम शैलेन्द्र सिंह, बीईई विजय मरावी,

सीएचओ डॉ. शाहिद हुसैन, सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर समेत सेक्टर के स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजित समीक्षा बैठक में बीसीएम शैलेन्द्र सिंह ने उपस्थित सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर को स्वास्थ्य सेवाओं अंतर्गत चल रही योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनकी समीक्षा की गई। जिसमें कहां गया कि अनमोल एप में एएनसी पंजीयन करना अनिवार्य है, एएनसी की प्रथम त्रिमाही में एण्ट्री, एएनसी चौथी जांच की एण्ट्री अनमोल एप में करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को उच्च स्वास्थ्य के लिए निर्देश दिए गए। इसके साथ ही एमडीआर, सीडीआर की जानकारी सभी उपस्थित कर्मचारियों से ली गई।

समीक्षा बैठक में घर में होने वाले प्रसव की जानकारी ली गई। इसके साथ ही वीएचएनडी सत्रों में औषधी एवं वैक्सीन की सूची की जानकारी ली।

बैठक में बीसीएम ने सभी सीएचओ को निर्देशित करते हुए कहां कि ग्राम के गंभीर गर्भवती केस समय रहते उच्च स्वास्थ्य केन्द्र में रैफर करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही बाल मृत्यु की समीक्षा की गई। एसएनसीयू से डिस्चार्ज हुए बच्चों का गृह भेंट करने, आरबीएसके मोबाईल टीम द्वारा विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से करने के लिए निर्देशित किया गया।

स्वास्थ्य कर्मचारियों के कार्यो की समीक्षा करते हुए सभी को निर्देशित किया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नारायणगंज को टीबी मुक्त बनाने सभी को मैदानी स्तर पर कार्य करना है।

अपने क्षेत्रों में टीबी की स्क्रीनिंग करें, बाहर से वापस आने वाले लोगों की जांच कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संभावित मरीजों की टीबी स्क्रीनिंग कर उनके सेम्पल की जांच कराए और एक्सरे कराए। आयोजित समीक्षा बैठक में बीसीएम शैलेन्द्र सिंह, बीईई विजय मरावी, सीएचओ डॉ. शाहिद हुसैन, रंजीता पटेल, रुक्मणि मरावी, जयंती उरैती, कौशिका भूरा, सुपरवाइजर एमएल परते, आशा कार्यकर्ता, आशा सहयोगनी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

बस खाई में गिरी, 30 घायल चार की हालत गंभीर

▸ **गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया**

शहपुरा नवभारत 3 जनवरी। शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत राछो घाट के पास शनिवार 3 जनवरी की सुबह करीब 9 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जबलपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग को तोड़ते हुए खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में बस में सवार करीब 30 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 4 यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को खाई से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा पहुंचाया गया। जहां सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। बताया गया कि बस में सवार यात्री इलाज कराने के उद्देश्य से जबलपुर जा रहे थे। शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने बताया कि बस जबलपुर जा रही थी। यात्री नि:शुल्क उपचार के लिए सुखसागर हॉस्पिटल जबलपुर जा रहे थे। पुलिस द्वारा घायलों की पहचान की जा रही है तथा उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। अधिकांश घायल शहपुरा जनपद क्षेत्र के आसपास के गांवों के निवासी बताए जा रहे हैं।

जॉब कार्ड धारी श्रमिकों को मिलेगा प्रशिक्षण

▸ **प्रोजेक्ट उन्नति के तहत स्थाई आजीविका का अवसर प्रदान किया जाएगा**

डिंडोरी,नवभारत 3 जनवरी। मनरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 से अब तक न्यूनतम 60 दिवस की मजदूरी का कार्य करने वाले जॉब कार्ड धारी परिवार के इच्छुक पात्र हितग्राही, युवाओं को स्थाई आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रोजेक्ट उन्नति के तहत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसका मुख्य उद्देश्य अकुशल श्रमिकों और उनके परिवार के व्यस्क सदस्यों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर स्थाई आजीविका का अवसर प्रदान करना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि ऐसे जॉब कार्ड धारी, जिन्होंने पूर्व में प्रोजेक्ट उन्नति के तहत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है उन्हे प्रशिक्षण हेतु चयनित कर उनकी इच्छा अनुसार कौशल प्रशिक्षण आरसेटी और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

रोजगार सहायक के माध्यम से होगा सर्वेक्षण-जिले के समस्त विकासखण्डों के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के माध्यम से सर्वेक्षण कर इच्छुक और सक्षम उम्मीदवारों का चिन्हांकन किया जायेगा। जिसके बाद चिहाकित उम्मीदवारों की प्रारंभिक कॉउसलिंग रुचि अनुसार ट्रेड चयन के लिये की जायेगी। उम्मीदवारों का पंजीकरण कौशल पंजी एप्प और पोर्टल के माध्यम से 9 जनवरी तक किया जायेगा, जिसके बाद उम्मीदवारों को चयनित ट्रेड के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

अहीर नृत्य के साथ मांदर की थाप पर थिरका निवास अंचल

▸ **पिपरिया मड़ई में उमड़ा जनसैलाब, अहीरी नृत्य रहा आकर्षण का केंद**

निवास, नवभारत। मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मड़ई मेला निवास तहसील के ग्राम पिपरिया में शनिवार से पूरे उत्साह के साथ शुरू हो गया। तीन दिवसीय इस ऐतिहासिक मड़ई के पहले दिन चंडी पूजन के साथ ही जनसैलाब उमड़ पड़ा। सैकड़ों गांवों के ग्रामीण और अहीरों की दर्जनों टोलियों ने पारंपरिक वेशभूषा में शिरकत कर मेले की रौनक बढ़ा दी।

जानकारी अनुसार मड़ई का मुख्य आकर्षण अहीरों की टोलियां रहीं। मांदर और बैंड की थाप पर रंग-बिरंगी वेशभूषा, सिर पर विशेष पगड़ी, धोती और कौड़ियों से सजे बाने पहनकर अहीरों ने जमकर नृत्य किया। टोलियों ने घर-घर और दुकान-दुकान जाकर लोगों को मड़ई की बधाई दी और आशीष प्रदान किया। मेले में झूलों और मनोरंजन के साधनों का बच्चों और युवाओं ने भरपूर लुत्फ उठाया।

आम नागरिक के अंदाज में दिखे सांसद कुलस्ते

मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी इस पारंपरिक मेले का आनंद लेने पिपरिया पहुंचे। इस दौरान उनका एक बेहद साधारण और जमीनी अंदाज देखने को मिला। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने किसी विशेष प्रोटोकॉल के बिना, एक साधारण मेज पर बैठकर क्षेत्र की प्रसिद्ध गुड़ की जलेबी, सिंघाड़े और आलू बंडा जैसे स्थानीय

व्यंजनों का स्वाद चखा। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि पिपरिया की मड़ई से हमारा पुराना नाता है। यहाँ के व्यंजनों का स्वाद अद्वितीय है। मैं सभी क्षेत्रवासियों से अपील करता हूँ कि अपनी संस्कृति से जुड़ने के लिए सपरिवार यहाँ आएँ। उन्होंने इस अवसर पर सभी को नूतन वर्ष की बधाई भी दी।

मौसम की लुका-छिपी के बीच लाखों का कारोबार

शनिवार सुबह मौसम खराब होने के कारण व्यापारियों में कुछ चिंता देखी गई, लेकिन दोपहर को चंडी पूजन के समय जैसे ही धूप खिली, मड़ई अपने पूरे शबाब पर आ गई। लाखों रुपये के आय-व्यय वाले इस मेले में सड़कों और मैदान पर तिल रखने की जगह नहीं बची। व्यापारियों के चेहरे भी ग्राहकों की भीड़ देखकर खिल उठे। मेले की भव्यता को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा ताकि व्यवस्था बनी रहे। आयोजन समिति ने बताया कि मड़ई का यह उल्लास रविवार को भी जारी रहेगा।